पृष्ठांक ..... दिनांक .....

E Content – for B.A. Part I Hons. Paper II
HISTORY HONS. — Rise of Modern West.

Prof. Ranam Choudhury
Chief Coordinator
HISTORY, N.O.U.

Q) What were the causes of the Glorious Revolution of 1688.
1688 ई० के गौरवपूर्ण क्रांति के क्या कारण थे?

Ans. 1688 ई० में चार्ल्स द्वितीय की मृत्यु के पश्चात् उसका छोटा भाई जेम्स द्वितीय इंगलैंड की गद्दी पर बैठा। वह कट्टर रोमन कैथोलिक था और राजा के दैवी अधिकार के सिद्धांत में विश्वास करता था। उसने राजा होते ही इंगलैंड में रोमन कैथोलिक धर्म को फैलाना शुरू किया और निरंकुश होकर शासन करने का प्रयत्न किया। इससे प्रजा उससे रुष्ट हो गयी और उसे सिंहासन छोड़ना पड़ा। चार्ल्स के शासनकाल में उसने 'टेस्ट-एक्ट' का विरोध किया था। इसलिए पार्लियामेंट के कुछ लोगों ने उसे गद्दी के अधिकार से वंचित करने का भी प्रयास किया था। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। *(टेस्ट एक्ट – संसद चार्ल्स की धार्मिक नीति से असंतुष्ट थी, क्योंकि वह कैथोलिकों का समर्थन कर रहा था। अतः संसद ने टेस्ट-एक्ट' पास किया। इसके अनुसार किसी व्यक्ति को उस समय तक सरकारी नौकरी नहीं मिल सकती थी, जब तक कि वह चर्च ऑफ इंगलैंड के प्रति वफादारी की शपथ न ले। इस कानून का परिणाम यह हुआ कि प्यूरिटन व कैथोलिकों को नौकरियाँ मिलनी बंद हो गयीं और जो पहले से पदों पर नियुक्त थे, उन्हें पदच्युत कर दिया गया।)

जिस समय जेम्स का राज्यारोहण हुआ उस समय इंगलैंड में शांति थी। इंगलैंड में राजा का विरोध करने वाली कोई शक्ति भी नहीं थी, किन्तु शीघ्र ही जेम्स ने अपनी संकीर्ण नीति के कारण

पार्लियामेंट को अपना विरोधी बना लिया और देश में उसके विरुद्ध छिटपुट विद्रोह होने लगे। सारा देश असंतोष के वातावरण में उबलने लगा। इस माहौल में क्रांति होना निश्चित था। गौरवपूर्ण क्रांति के निम्नलिखित कारण थे —

1) आतंकपूर्ण शासन — जेम्स द्वितीय 'राजा के दैवी अधिकार' के सिद्धांत (Divine Right Theory) को मानता था, और इसी के अनुसार शासन करना चाहता था। इस तरह के शासन को चलाने के लिए उसने हिंसात्मक उपायों का सहारा लिया। उसके शासन में जनता में आतंक छा गया। लोग भयभीत हो गये और क्रांति करने लगे।

2) राजकीय पदों पर कैथोलिकों की नियुक्ति — पार्लियामेंट ने उनका विरोध किया। पार्लियामेंट के विरोध के जवाब में उसने 'डिस्पेंसिंग तथा सस्पेंडिंग पावर' का सहारा दबा किया। जिसके अनुसार वह किसी नियम को लागू कर सकता था। पार्लियामेंट इस बात को मानने के लिए तैयार नहीं थी। अतएव राजा के साथ उसका संघर्ष शुरू हुआ।

3) विशेष न्यायालय की स्थापना — जेम्स ने रोमन कैथोलिकों के प्रति पक्षपात शुरू किया। प्रोटेस्टेंटों ने जब इसका विरोध किया, तब उन्हें दण्ड देने के लिए जेम्स ने 'हाई कमीशन' नामक न्यायालय की स्थापना की। इसके सब न्यायाधीश कैथोलिक थे। अब कैथोलिक धर्म की आलोचना नहीं की जा सकती थी। लंडन के एक पादरी ने जब इस नियम का विरोध किया तो जेम्स ने उसे कठोर दण्ड दिया। इससे प्रोटेस्टेंट बहुत बिगड़ गये।

4. सेना में वृद्धि — जेम्स द्वितीय के प्रधान उद्देश्य या दैवी अधिकार के सिद्धांत के अनुसार इंगलैंड में अपना स्वेच्छाचारी शासन कायम करना तथा कैथोलिक धर्म का प्रचार करना। इस

Page 3

उद्देश्य को पूरा करने के लिए उसने सेना में वृद्धि करनी शुरू की। सेना की संख्या बढ़ाकर तीस हजार कर दी गयी, जिसमें कैथोलिकों की संख्या सबसे अधिक थी। इससे जनता में असंतोष फैला।

5. फ्रांस से मित्रता का प्रयास — जेम्स द्वितीय फ्रांस से सेना की सहायता और धन की प्राप्ति की प्रबल आशा रखता था। इस प्रकार वह फ्रांस से मित्रता कर रहा था। फ्रांस एक कैथोलिक राज्य था, जहाँ प्रोटेस्टेंटों पर घोर अत्याचार हो रहा था। इस कारण अँग्रेजी जनता फ्रांस से मित्रता का संबंध बनाये रखना नहीं चाहती थी। लेकिन, जेम्स फ्रांस के साथ अच्छे संबंध रखने का पक्षपाती था। इस कारण भी अँग्रेजी जनता उससे रुष्ट हो गयी।

6. असाधारण न्यायालयों की स्थापना — 1914ई० में दीर्घकालीन पार्लियामेंट ने सभी तरह के असाधारण न्यायालयों का अंत कर दिया था। लेकिन जेम्स ने इस नियम को रद्द कर दिया और एक नया असाधारण न्यायालय स्थापित किया, जिसमें सात न्यायाधीश थे और वे सब-के सब कैथोलिक थे।

7. आयरिश नीति — इस समय स्कॉटलैंड और आयरलैंड इंगलैंड की अधीनता में था। अतएव वे भी जेम्स की निरंकुशता के शिकार हुए। जेम्स ने उन दोनों देशों में भी बड़े-बड़े पदों पर कैथोलिकों को नियुक्त किया। उसने एक कट्टर कैथोलिक को आयरलैंड का गवर्नर नियुक्त किया। आयरलैंड की सेना में जो प्रोटेस्टेंट थे, जेम्स ने उनको हटाना शुरू किया। अतएव उसकी आयरिश नीति से जनता अप्रसन्न हो गयी।

पेज नं - 4

8) शिक्षा के क्षेत्र में - जेम्स प्रयास शिक्षा पर चर्च का प्रभाव था। इसलिए जेम्स ने इस ओर ध्यान दिया। उसने विश्वविद्यालयों में कैथोलिकों को नियुक्त करना आरम्भ किया। कहा जाता है कि कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के उपकुलपति ने एक पादरी को आवश्यक परीक्षा में उत्तीर्ण न होने के कारण उपाधि प्रदान नहीं की थी। अतः जेम्स ने उसको पदच्युत कर दिया और उसकी जगह एक कैथोलिक की नियुक्ति शुरू हुई। इस कारण जनता भी नाराज हो गई।

9) कैथोलिक धर्म - कैथोलिक धर्म के प्रचार का प्रयास भी जारी था। इसी भावना से प्रेरित हुए जेम्स ने पोप को आमंत्रित किया और उसके दूत का स्वागत किया। उसी समय धार्मिक स्वतंत्रता की घोषणा की। इसके अनुसार उसने धार्मिक स्वतंत्रता को कैथोलिकों के विरुद्ध बने नियम को निलम्बित कर दिया गया।

जैसे की। इससे जनता - सेना में प्रोटेस्टेंटों के देखना

10) कैथोलिकों को पद देना - जेम्स प्रोटेस्टेंट धर्म को पसन्द के लिए भी नहीं चाहता था। प्रोटेस्टेंट अफसरों को हटा दिया और कैथोलिकों उनके स्थानों का वितरण किया। अब कैथोलिकों को राज्य की हर तरह की सुविधा दी गयी। अब कैथोलिकों को किसी पद पर नियुक्त किया जा सकता था।

11) सात पादरियों का मामला - 1688 ई० में जेम्स ने धार्मिक स्वतंत्रता की दूसरी घोषणा की। पादरियों को आज्ञा दी गयी कि वे चर्चों में इस घोषणा को पढ़कर सुनायें कि कैथोलिकों के विरुद्ध नियमों को स्थगित कर दिया गया है। किन्तु सभी पादरियों ने ऐसा करने से इनकार किया। कैंटरबरी के आर्कबिशप ने इस आदेश का विरोध किया। इन सात पादरियों ने जेम्स के पास एक प्रार्थना-पत्र भेजकर उसकी

Page 5

निवेदन किया कि वह चर्च को राजनीति से अलग रहने दे इस पर जेम्स बहुत क्रुद्ध हुआ और उसने उस सातों पादरियों पर राजद्रोह का मुकदमा चलाया।

12. सन्तानोत्पत्ति — अभी तक अधिकांश जनता जेम्स के अत्याचार यह समझकर सहन कर रही थी कि वह वृद्ध तथा निःसंतान है, उसकी मृत्यु के पश्चात उसकी बेटी और उसका दामाद इंगलैंड के शासक होंगे जो कट्टर प्रोटेस्टेंट है। लेकिन, जनता की आशा पर उस समय पानी फिर गया, जब 10 जून, 1688 ई० को जेम्स को एक पुत्र पैदा हो गया। इससे जनता सोचने लगी कि अब देश में कैथोलिक राजाओं का क्रम प्रारंभ हो जायगा। इससे लोगों में निराशा और भय उत्पन्न हुआ और उसके सामने क्रांति के अतिरिक्त कोई चारा नहीं रह गया। यह क्रांति 1688 ई० में हुई, जिसके परिणामस्वरूप जेम्स द्वितीय के शासन का अंत हो गया।

विलियम को निमंत्रण — जब इंगलैंड के लोग जेम्स द्वितीय से निराश हो गये तो इन्होंने जेम्स के दामाद को शासन-भार संभालने के लिए आमंत्रित किया। उसने उस आमंत्रण को स्वीकार कर लिया और एक विशाल सेना लेकर इंगलैंड पहुँच गया। जेम्स की सेना ने विद्रोह कर दिया। अतएव जेम्स को इंगलैंड छोड़कर भागना पड़ा। इसके बाद पार्लियामेंट ने विलियम तथा उसकी पत्नी मेरी को इंगलैंड का शासक नियुक्त किया। विलियम अपनी पत्नी ~~पत्नी~~ के साथ विलियम तृतीय (william III-rd) के नाम से इंगलैंड की गद्दी पर बैठा।

— X —

Scanned with CamScanner